भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

राज्य सभा

लिखित प्रश्न सं. 3828

गुरूवार, 03 अप्रैल, 2025/13 चैत्र, 1947 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

प्रसाद योजना के अंतर्गत केरल में आध्यात्मिक केंद्रों का विकास

3828 श्रीमती जेबी माथेर हीशम:

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या केरल सरकार ने प्रसाद योजना के अंतर्गत आध्यात्मिक केंद्रों के विकास के लिए प्रस्ताव प्रस्तुत किए हैं, यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ख) क्या केंद्र सरकार ने इस योजना के अंतर्गत केरल सरकार द्वारा प्रस्तुत किए गए किसी प्रस्ताव को मंजूरी दी है, यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री **(श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)**

(क) और (ख): पर्यटन मंत्रालय "तीर्थस्थल जीर्णोद्धार और आध्यात्मिक, विरासत संवर्धन अभियान" (प्रशाद) के तहत चिह्नित तीर्थ स्थलों पर पर्यटन अवसंरचना के विकास के लिए राज्य सरकारों और संघ राज्य क्षेत्रों को वित्तीय सहायता प्रदान करता है।

प्रशाद योजना के तहत केरल में आध्यात्मिक केंद्रों के विकास का कोई प्रस्ताव इस समय पर्यटन मंत्रालय के विचाराधीन नहीं है। पर्यटन परियोजनाओं के लिए वित्तीय सहायता के लिए राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों से प्रस्तावों की प्राप्ति एक सतत प्रक्रिया है। प्राप्त प्रस्तावों की निर्धारित दिशा-निर्देशों के संदर्भ में जांच की जाती है और निर्धारित शर्तों के पूरा होने और धन की उपलब्धता के अधीन ऐसी परियोजनाओं के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है।

तथापि, पर्यटन मंत्रालय ने 2016-17 में प्रशाद योजना के तहत 45.19 करोड़ रुपये की लागत से "गुरुवायुर मंदिर में विकास" नामक एक परियोजना को मंजूरी दी है और उक्त परियोजना पूरी हो चुकी है।

****